अनुसंधान तथा विकास के लिए तय उपबंध को अधिकांशतः प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान संगठनों, पब्लिक सेक्टर उद्योगों, विश्वविद्यालयों और इसी तरह के सरकारी निधिपन्द्ध संस्थानों के अनुसंधान व विकास यूनिटों के माध्यम से पूरा किया जाता है। तथापि, प्राइवेट सेक्टर को अनुसंधान तथा विकास सुविधायें स्थापित करने और टैक्स रियायतों और अन्य राजकोषीय प्रोत्साहनों जैसे अनेक उपायों के माध्यम से कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(ग) सातवीं योजना अवधि के दौरान देश में किया गया कुल अनुसंधान व विकास व्यय 14,000 करोड़ रुपये था। देश में कुल अनसंधान व विकास व्यय का लगभग 20% उद्योग द्वारा व्यय किया जाता है, इसमें से लगभग 12% प्राइवेट सेक्टर द्वारा व्यय किया जाता है।

उर्वरक और रसायन संयंत्रों के निदेशक बोर्डों का गटन किया जाना

1626. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकारी क्षेत्र के उर्वरक और रसायन संयंत्रों के निदेशक बोर्डों के सरकारी और गैर-सरकारी सदस्यों की संख्या कितनी है; और

(ख) क्या सरकार निदेशक बोर्ड में किसानों, विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों आदि के प्रतिनिधियों की संख्या में वृद्धि करके सरकारी सदस्यों की संख्या में उसी अनुपात में कमी करने पर विचार करेगी ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चित्ता मोहन) : (क) इस समय सार्वजनिक क्षेत्र में उर्वरक और रसायन उपक्रमों के निदेशक मण्डलों में सरकारी, गैर-सरकारी तथा कार्यवाहक निर्देशकों की संख्या विवरण में दी गई है

(ख) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

विवरण

क्रमांक	उपक्रम का नाम	बोर्ड में सरकारी सदस्यों की संख्या	बोर्ड में गैर सरकारी सदस्यों की संख्या	कार्यवाही निदेशकों की संख्या
1	2	3	4	5
उर्वरक :				
1.	फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया लि० (एफ सी आई)	4	—	1
2.	हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन (एच एफ सी)	2	5	1
3.	राष्ट्रीय कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि० (आर सी एफ)	4	1	2
4.	फर्टिलाइजर एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लि० (एफ ए सी टी)	3	—	1

1	2	3	4	5
5.	प्रोजेक्ट एण्ड डेवलपमेंट इंडिया लि० (पी डी आई एल)	3	—	2
6.	मद्रास फर्टिलाइजर्स लि० (एम एफ एल)	6*	—	1
7.	पायराइट्स फास्फेट्स एण्ड केमिकल्स लि० (पी पी सी एल)	4	—	1
8.	नेशनल फर्टिलाइजर्स लि० (एन एफ एल)	4	4	2
9.	पारादीप फास्फेट्स लि० (पी पी एल)	7**	1	1
रसायन				
1.	हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लि० (एच ओ सी)	3	—	3
2.	हिन्दुस्तान इन्सेक्टीसाइड्स लि० (एच० आई० एल०)	4	—	2

* नेशनल इरानियन आयल कम्पनी द्वारा नामित।

**4 नौरू सरकार द्वारा नामित।

Alternatives to contain pesticides menace

1627. SHRI B. K. HARIPRASAD: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been invited to the news item which appeared in Pioneer, Lucknow dated 16-6-91 expressing serious concern on account of pesticide menace;

(b) if so, what are Government's plans towards finding effective alternative technologies for agriculture and health sectors;

(c) whether it is also a fact that pesticides owe their origin to chemical warfare in Germany;

(d) whether pesticides are causing cancer and other health problems as brought out by various studies at ITRC, Lucknow for past two decades; and

(e) which are the institutes/units engaged in finding alternatives to pesticides in Agriculure and health and what is their yearly budget?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) Yes, Sir.

(b) The Government have adopted Integrated Pest Management Technology in agriculture combined with agronomic means of controlling pests with judicious use of chemical insecticides. In the health sector also bio-technology is being adopted to control mosquito larvas using baccilus thuringiensis and baccilus spherious.

(c) No, Sir. However, a few chemicals do owe their origin to the Second World War in Germany.

(d) High dosage of certain pesticides administered to animals at ITRC, Lucknow have been reported to produce toxicological effects. If recommended dosage of pesticides registered with Central Insecticides Board is used, toxicological effects are not likely to occur.

(e) Since March 1989, Department of Bio-technology has undertaken ten R&D Projects on biological control of crop pests and diseases in the States of Tamil